



॥ श्री सूर्य चालीसा ॥
सुख संपत्ति बढत सदा, मिटत सकल
दुख भारी

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री सूर्य चालीसा ॥

॥ दोहा ॥

कनक बदन कुंडल मकर, मुकुट शिर राजै।
रक्त कमल कर माल, मनोहर रूप विराजै॥
जयति जयति दिनकर प्रभु, जगत प्रकाशक देव।
जन हितकारी सूर्य प्रभु, तुम बिन कौन सहेव॥

॥ चौपाई ॥

जय सूर्य भगवान दयाला।
दीनन के तुम सदा प्रतिपाला॥
सप्त अश्व रथ राजित सोहे।
निरखत भक्त हृदय मन मोहे॥
अरुण सारथी आगे धावे।
प्रभु की महिमा कौन बखाने॥
उदयाचल जब तुम उग आते।
जग के जीव सकल सुख पाते॥
नमस्कार तुमको प्रभु देवा।
करहु कृपा जन पर सेवा॥
रोग शोक सब तुम हर लेते।
जीवन में सुख शांति देते॥
तेज पुंज तुम जग उजियारा।
ज्ञान भक्ति के तुम रखवारा॥
वेद पुराण तुम्हें यश गावें।
ऋषि मुनि सब ध्यान लगावें॥
भानु, दिवाकर, मित्र कहावो।
भक्त जनों के कष्ट मिटावो॥
त्रिलोकों में तुम प्रतिपाला।
करहु कृपा हे जग रखवाला॥

जो जन नित्य पाठ करि ध्यावे।
सकल मनोरथ सिद्धि पावे॥
पुत्र, धन, वैभव सुख पावे।
जीवन सफल सदा हो जावे॥
सूर्य देव की आरति गावे।
मनवांछित फल सहज ही पावे॥

॥ दोहा ॥

सूर्य चालीसा प्रेम से, पढ़े जो नर नारी।
सुख संपत्ति बढ़त सदा, मिटत सकल दुख भारी॥

॥ इति श्री सूर्य चालीसा सम्पूर्ण ॥

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"